युग पुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज के 55वीं एवं राष्ट्रसंत महंत अवेधनाथ जी महराज की 10वीं पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए प्रो. ए.के. सिंह एवं डॉ. अवधेश अग्रवाल जी

दिनांक : 20 सितम्बर, 2024 को युग पुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज के 55वीं एवं राष्ट्रसंत महंत अवेधनाथ जी महराज की 10वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि समारोह में पुष्पांजलि एवं श्रद्धांजलि का आयोजन संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय द्वारा महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के पंचकर्म केंद्र समागार में हुआ।

श्रद्धांजलि में मुख्य अतिथि प्रो. ए.के. सिंह, कुलपति महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, डॉ. अवधेश अग्रवाल ब्लड बैंक प्रभारी एवं अपर चिकित्सक अधीक्षक, कर्नल (डॉ.) राजेश बहल निदेशक गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज, सुनील कुमार सिंह, अधिष्ठाता संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय ने दोनो राष्ट्र संतो के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया।

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. ए. के. सिंह ने युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज और राष्ट्रसंत महंत अवेधनाथ जी को श्रद्धा अर्पण करते हुए कहा कि ब्रह्मलीन महंत दिग्विजय नाथ जी और राष्ट्रसंत महंत अवेधनाथ जी ने हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के विचार पंथ से शिक्षा में नई क्रांति का अलख जगाया।

हिंदुत्व राष्ट्रवाद एवं विश्व प्राण भारतीय संस्कृति के संरक्षण में अपने त्यागमय सन्यासी जीवन से नवजागरण के शंख का संघोष करने वाले युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज को श्रद्धा के पुष्प अर्पित है। ब्रह्मलीन महाराज जी ने अपने संकल्प, त्याग से शिक्षा का दीप प्रज्ज्वलित किया जिससे महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 52 संस्थान दिव्यता के ओज से यहां के विद्यार्थियों को ज्ञानार्जन दे रहा है।

हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के विचार पंथ पर अटल अडिग हिमालय सा चट्टानी व्यक्तित्व लेकर सनातन के प्रबल प्रहरी की भूमिका का निर्वाह करने वाले ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज तथा सामाजिक समरसता के अग्रदूत श्री राम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन को शक्ति और गति देने वाले करुणा और त्याग की प्रतिमूर्ति ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के जीवन ने वैचारिक पुष्पों का प्रतिमान स्थापित किया है। आज हम सभी को राष्ट्र संतो के भावो को आत्मसात कर राष्ट्र सेवा का संकल्प लेना चाहिए।

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. ए. के. सिंह जी को कर्नल डॉ. राजेश बहल ने स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। सभा की अध्यक्षता कर रहे डॉ. अवधेश अग्रवाल जी को अधिष्ठाता संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय प्रो. सुनील कुमार सिंह ने स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

स्वागत उद्बोधन में गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज बालापार के निदेशक कर्नल (डॉ.) राजेश बहल ने किया । राष्ट्र संतो को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्होंने कहा कि ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी ने संपूर्ण जीवन राष्ट्र, धर्म, आध्यात्म, संस्कृति शिक्षा व समाजसेवा से लोक कल्याण किया।

अध्यक्षीय उद्बोधन डॉ. अवधेश अग्रवाल, ब्लड बैंक प्रभारी एवं अपार चिकित्सा अधीक्षक गुरु गोरखनाथ चिकित्सालय, ने कहा की ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी और राष्ट्रसंत महंत अवेधनाथ गोरखपुर और आसपास के क्षेत्रों में विद्यालयों की स्थापना कर शिक्षा की ज्योति जलाई जिससे आज पूरा पूर्वांचल प्रकाशित हो रहा है। स्वतंत्रता से पूर्व महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना कर अटल दूरदर्शिता से शिक्षा क्रांति की मिशाल कायम किया। जहां आज प्राथमिक शिक्षा से लेकर विश्वविद्यालय, चिकित्सा शिक्षा और प्रौद्योगिकी शिक्षा के प्रक्कल्प उन्नति के पथ पर अग्रशित है।

सरस्वती वंदना से श्रद्धांजलि सभा समारोह का शुभारंभ और वन्देमातरम से सभा को विश्राम दिया गया। श्रद्धांजलि समारोह का संचालन सहायक आचार्य डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव और धन्यवाद ज्ञापन प्रो. सुनील कुमार सिंह, अधिष्ठाता संबंध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय ने किया ।

समारोह में प्रमुख रूप से डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. विकास कुमार संत, डॉ. अमित दुबे, डॉ. धीरेंद्र सिंह, उप कुलसचिव श्री श्रीकांत जी, डॉ. पवन कुमार कनौजिया, डॉ. प्रेरणा त्रिपाठी, डॉ. किरण कुमार, डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, डॉ. अवेधनाथ सिंह, डॉ. अंकिता मिश्रा, डॉ. कीर्ति कुमार यादव, डॉ. अखिलेश दुबे, श्री धनंजय पांडेय, श्री अनिल कुमार, श्रीमती प्रज्ञा पाण्डेय, श्रीमती रश्मि झाए सृष्टि यदुवंशी, श्री जन्मेजय सोनी, मिताली, श्री अनिल कुमार मिश्रा, श्री अनिल शर्मा सहित सभी विभागों के शिक्षकगण उपस्थित रहें।